



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार के प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 339]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 20, 1988/ज्येष्ठ 30, 1910

No. 339]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 20, 1988/JYAISTHA 30, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ तंत्रण की आवृत्ति है जिससे कि यह असम तंकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जून, 1988

सा का.नि. मख्ता 714(अ).—लोक अर्ण नियमावली, 1946 में संशोधन करने वाले
कठिपय उन नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिनको केन्द्रीय भरकार लोक अर्ण अधिनियम,
1944 (1944 का 18) की धारा 28 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रबोग करने का नियम-

रित करना चाहती है, उपर्युक्त धारा की उपधारा (1) में विहित अपेक्षा के अनुसार एतद्वारा उस समस्त व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिन पर उनका प्रभाव पड़ते की संभावना है और एतद्वारा यह नोटिस भी दिया जाता है कि उपर्युक्त प्राप्त पर, उस तारीख को जिसको अधिसूचना में युक्त सरकारी राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध की जाएंगी या उस तारीख में 15 दिन की अवधि पूरी होने के बाद, विचार किया जाएगा।

एतद्वारा विभिन्न अवधि के समाप्त होने से पहले उपर्युक्त प्राप्त के संबंध में किसी भी व्यक्ति से प्राप्त होने वाली किसी भी अपनी अवधि सुनाव पर केंद्रीय सरकार द्वारा विचार कियाजाएगा।

प्राप्त नियमावली

1. इन नियमों को लोक अंग सशोधन नियमावली, 1988 कहा जाएगा।
2. लोक अंग नियमावली, 1946 के नियम 9 में, उक्त नियम (3क) के पश्चात निम्नलिखित उप-नियम जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—

“(उ) व्याज का पूर्वांकन : जिस मामले में किसी सरकारी प्रतिभूति की शर्तों के अनुसरण में देय व्याज की नियल राशि में इतने पैसे शामिल हों, जो कि पांच पैसे के गुणक न हों, तब पैसों की उस राशि की पांच पैसे के निकटतम गुणक में पूर्णकित कर दिया जाएगा, और यदि उस राशि में अंम अंक तीन या चार या आठ या नौ हो तो उस प्रथोगत के लिए उस अंक वालीराशि को बढ़ाकर उससे अगली उच्च राशि में परिवर्तित कर दिया जाएगा जो कि पांच पैसे का गुणक होगी और यदि उस अंतिम अंक एक या दो या छः या सात हो तो इस राशि को घटाकर उससे तुरन्त कम राशि में परिवर्तित कर दिया जाएगा जोकि पांच पैसे का गुणक होगी।

[एफ. 4(11)-डब्ल्यू एण्ड एम/83]

राष्ट्रपति के आदेश से,
दी. बालसुखमण्णन, विशेष कार्य अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th June, 1988

G.S.R. No. 714(E).—The following draft of certain rules to amend the Public Debt Rules, 1946, which the Central Government proposes to make in

exercise of the powers conferred by section 28 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944), is hereby published as required by sub-section (1) of that section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of 45 days from the date on which copies of the Official Gazette containing this notification are made available to the public.

Any objection or suggestion received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These Rules may be called the Public Debt (Amendment) Rules, 1988.
2. In the Public Debt Rules, 1946, in rule 9, after sub-rule (3A), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3B) Rounding Off of interest.—Where the net amount of interest payable in accordance with the terms of a Government security contains an amount in paise which is not a multiple of five paise, then, the amount of paise shall be rounded off to the nearest multiple of five paise and for this purpose if the last figure in that amount is three or four or eight or nine, the amount shall be increased to the next higher amount which is a multiple of five paise and if the last figure is one or two or six or seven, the amount shall be reduced to the next lower amount which is a multiple of five paise”.

[F. 4(11)-W&M|83]

By Order of the President,
V. BALASUBRAMANIAN, Officer On Special Duty.

